अभ्यास पत्रक

पाठ – हामिद खाँ

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. अपठित गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"हामिद खाँ ने कहा – भाई जान, जालिमों की इस दुनिया में शैतान भी लुक-छिपकर चलता है। किसी पर धौंस जमाकर या मजबूर करके हम प्यार नहीं खरीद सकते।

आप ईमान से मुहब्बत के नाते मेरे होटल में खाना खाने आए हैं। ऐसी ईमानदारी और मुहब्बत का असर मेरे दिल में क्यों न पड़े? अगर हिंदू और मुसलमान ईमान से आपस में मुहब्बत करते तो कितना अच्छा होता।"

1. हामिद खाँ के अनुसार सच्चे प्यार की क्या पहचान है?

उत्तर - .....

.....

2. लेखक के व्यवहार का हामिद पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर - .....

.....

3. हामिद खाँ का यह कथन किस सामाजिक सच्चाई की ओर इशारा करता है?

उत्तर - .....

.....

2. कथन और कारण पर आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** लेखक को हामिद खाँ के मुसलमान होने से कोई परहेज़ नहीं था।
   कारण: लेखक के प्रदेश में हिंदू और मुसलमान सौहार्द पूर्वक रहते थे।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।
   (ग) A: सही, R: गलत
   (घ) A: गलत, R: सही
5. **कथन:** हामिद खाँ ने लेखक से खाने के पैसे नहीं लिए।
   कारण: हामिद को लेखक की ईमानदारी और भावनात्मक व्यवहार ने प्रभावित किया।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।
   (ग) A: सही, R: गलत
   (घ) A: गलत, R: सही

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. लेखक तक्षशिला क्यों गया था?
   (क) घूमने के लिए (ख) खंडहर देखने (ग) भोजन करने (घ) व्यापार हेतु
7. लेखक ने अपने आप को किस प्रदेश का निवासी बताया?
   (क) केरल (ख) गोवा (ग) मालाबार (घ) मुंबई
8. हामिद खाँ लेखक को क्या कहकर बुलाता है?
   (क) साहब (ख) मेहमान (ग) हिंदू भाई (घ) भाई जान
9. हामिद के अब्बा कहाँ बैठे थे?
   (क) दुकान में (ख) पिछवाड़े (ग) खाट पर (घ) छत पर

10. लेखक ने हामिद को खाने का पैसा क्यों देना चाहा?

(क) मजबूरी थी (ख) वह ग्राहक था

(ग) सच्चे संबंध की कीमत चुकाना चाहता था (घ) पैसा उसके पास बचा था

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. लेखक के मुस्कराने पर हामिद की क्या प्रतिक्रिया थी?

उत्तर - .....

.....

.....

12. हामिद को लेखक की किन बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था?

उत्तर - .....

.....

.....

13. लेखक ने मालाबार के हिंदू-मुसलमान संबंधों के बारे में क्या बताया?

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. हामिद खाँ का व्यवहार सांप्रदायिक सौहार्द का उदाहरण कैसे बनता है?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "सच्चा इंसान मजहब से ऊपर उठकर सोचता है" – इस कथन की पुष्टि पाठ 'हामिद खाँ' के आधार पर कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी

1. सच्चा प्यार डर या दबाव से नहीं, ईमानदारी और सच्चे दिल से होता है।
2. वह बहुत प्रभावित हुआ और लेखक को अपना मेहमान मानकर पैसा लेने से इनकार कर दिया।
3. हिंदू–मुस्लिम एकता की आवश्यकता और सामाजिक कटुता की वास्तविकता।
4. (क)
5. (क)
6. (ख)
7. (ग)
8. (घ)
9. (ग)
10. (ग)

11. लेखक के मुस्कराने पर हामिद की क्या प्रतिक्रिया थी कि वह बेपरवाह बना रहा और लेखक को तीव्र दृष्टि से देखता रहा।
12. हामिद को लेखक इन बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था कि एक हिंदू इतनी आत्मीयता से मुसलमान से बात कर सकता है।
13. लेखक ने मालाबार के हिंदू-मुसलमान संबंधों के बारे में बताया कि वहाँ दोनों धर्मों के लोग मिलजुल कर रहते हैं और एक-दूसरे के होटलों में बेहिचक जाते हैं।

14.
हामिद खाँ ने लेखक को हिंदू जानने के बावजूद उसे अपने होटल में भोजन करवाया और बेहद आत्मीयता से व्यवहार किया। उन्होंने लेखक को 'भाई जान' कहा, उसके प्रति आदर, विश्वास और भावनात्मक अपनत्व दर्शाया। उन्होंने लेखक की बातों को न केवल सुना, बल्कि समझा और प्रतिक्रिया दी। जब लेखक ने सांप्रदायिक एकता की बात की तो हामिद ने न केवल सहमति दी, बल्कि उसके लिए तड़प भी दिखाई। उनका व्यवहार दिखाता है कि सच्चे संबंध दिल से बनते हैं, मजहब की दीवारों से नहीं।

15.
पाठ 'हामिद खाँ' इस बात का सशक्त प्रमाण है कि सच्चा इंसान धर्म, जाति या मजहब से ऊपर उठकर सोचता है। लेखक एक हिंदू होते हुए पाकिस्तान में एक मुसलमान के होटल में भोजन करता है और पूरी आत्मीयता से उससे संवाद करता है। वहीं, हामिद खाँ भी अपने सामाजिक परिवेश से विपरीत व्यवहार करते हुए लेखक को भाई मानता है, भोजन कराता है और पैसे लेने से मना कर देता है। यह दोनों पात्र इस बात को सिद्ध करते हैं कि जब इंसान इंसानियत के आधार पर व्यवहार करता है, तो धर्म और संप्रदाय की सीमाएँ टूट जाती हैं। उनकी बातचीत, व्यवहार और भावनाएँ मानवता की उच्च मिसाल पेश करती हैं। ऐसे संबंधों की आज के समाज में बहुत आवश्यकता है।